(B) Recognise the meaning, gender and whether singular or Plural of the following words (any **FIVE**) :— 10

खालीलपैकी कोणत्याही **पाच** शब्दांचे अर्थ, वचन व काळ ओळखा :—

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के अर्थ वचन एवं काल पहचानिये :—

(1) सोचति

(2) पस्सथ

(3) रोदति

(4) पठिस्सति

(5) गच्छथ

(6) सायनि

(7) विहरति

(8) गच्छिस्सामि।

AQ—47

B.A. (Part—II) Examination

PALI AND PRAKRIT

(Modern Indian Languages)

(Compulsory)

Time—Three Hours] [Full Marks—100

N.B. :— Write answers in the medium offered.

सूचना :— स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.

सूचना :— स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिये।

1. (A) Translate with reference any **ONE** of the following :— 10

खालीलपैकी कोणत्याही **एकाचे** संसदर्भ भाषांतर करा :—

निम्नलिखित में से किसी **एक** का ससंदर्भ भाषांतर कीजिए :—

(1) "भूतपुब्बं, आनन्द, देवानं तावतिसानं सुधम्माय" सभायं सन्निपतितानं अयमन्तराकथा उदपादि—

'लाभा वत, भो विदेहानं सुलद्धं वतं, भो विदेहानं, येसं निमि राजा धम्मिको, धम्मराजा धम्मे ठितो महाराजा, धम्मं चरति ब्राम्हणगहपतिकेसु' नेगमेसू

चेव जानपदेसु च; उपोसथं च उपवसति चातुद्दसिं'' पञ्चदसिं अट्ठमिं च पक्खस्सा'ति। अथ खो आनन्द, सक्को देवानमिन्दो देवे तावतिंसे आमन्तेसि — 'इच्छेय्याथ नो तुम्हे, मारिसा निमिं राजानं दट्ठुं ति ? ''इच्छाम भयं, मारिस, निमिं राजानं दट्ठु'ति। तेन खो पन, आनन्द, समयेन निमिं राजा तदहुपोसथे पन्नारसे सीसंन्हातो उपोसथिको उपरिपासादवरगतो निसिन्नो होति।

OR/किंवा/अथवा

(2) कतमञ्चानन्द, एतरहि मया कल्याणं वत्तं निहितं एकन्तनिब्बिदाय विरागाय निरोधाय उपसमायं अभिञ्ञाय सम्बोधाय निब्बानाय संवत्तति ? अयमेंव अरियो अटठङ्गिको मग्गो, सेय्यचीदं सम्मादिट्ठिं, सम्मासङ्गप्पोक सम्मावाचा सम्माकम्मन्तो सम्माआजीवो, सम्मावायामो सम्मासति, सम्मासमाधि रदं खो आनन्द, एतरहि मया कल्याणं वत्तं निहितं एकन्तनिब्बिदाय विरागाय निरोधाय उपसमाय अभिञ्ञाय, सम्बोधाय निब्बानाय संवत्तति। तं खो अहं आनन्द, एवं वदामि — 'येन मे इदं कल्याणं वत्तं निहितं अनुप्पवत्तेय्याथ मा खो मे तुम्हे अन्तिमपुरिसा' अहुवत्थ'। यस्मिं खो, आनन्द, पुरिसयुगे वत्तमाने एवरूपस्स कल्याणस्स वत्तस्स समुच्छेदो होति सो तेसं अन्तिमपुरिसो होति। तं खो अहं आनन्द, एवं वदामि — 'येन मे इदं कल्याणं वत्तं निहितं अनुप्पवत्तेय्याथ, मा खो मे तुम्हे अन्तिमपुरिसा अहुवत्था''ति। इदमवोच भगवा। अत्तमनो आयस्मा आनन्दो भगवतो भासितं अभिनन्दी'ति।

Write the teaching of "Migjal Ther".

''मिगजाल थेर'' ची शिकवण लिहा.

''मिगजाल थेर'' की शिक्षा लिखिये।

(B) Write notes on any **TWO** :— 10

कोणत्याही **दोनवर** टिपा लिहा :—

किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ ,लिखिये :—

(1) निब्बाण

(2) धम्मपद

(3) एवं मे सुतं

(4) थेर गाथा।

5. (A) Write any **FIVE** forms of the following :— 10

खालीलपैकी कोणतीही **पाच** रूपे लिहा :—

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के रूप लिखिए :—

(1) बुद्ध — ततिया विभक्ति — अनेक वचन

(2) भिक्खू — छट्ट विभक्ति — अनेक वचन

(3) मुनी — ततिया विभक्ति — एकवचन

(4) दण्डि — चतुत्थि विभक्ति — अनेक वचन

(5) पठ — वत्तमानकाळ — अनेकवचन — पठमपुरिस

(6) पच — अनागतकाळ एकवचन — ततियापुरिस

(7) गम — अतितकाळ — अनेकवचन — दुतिय पुरिस

(2) नङ्गलेहि कसं खेतं, बीजानि पवपं छमा।
पुत्तदारानि पोसेन्ता, धनं विन्दन्ति माणवा।।

(3) यो सहस्सं सहस्सेन, सङ्गामे मानुसे जिने।
एकं च जेय्यमत्तानं, स वे सङ्गामजत्तुनो।।

(B) Translate with reference to context any **TWO** Gathas of the following :— 10

खालीलपैकी कोणत्याही **दोन** गाथांचे ससंदर्भ भाषांतर करा :—

निम्नलिखित में से किन्हीं दो गाथाओं का ससंदर्भ अनुवाद कीजिये :—

(1) महारसो सुगम्भीरो, जरामच्चुनिवारणो।
अरियो अट्ठङ्गिको मग्गो, दुक्खूपसमनो सिवो।।

(2) कम्मं कम्मन्ति ञत्वान, विपाकञ्च विपाकतो।
पटिच्चुप्पन्नधम्मानं, यथावालोकदस्सनो।
महाखेमङ्गमो सन्तो, परियोसानभद्दकोति।।

(3) मासे मासे सहस्सेन, यो अजेथ संतं समं।
एकञ्च भावितत्तानं, मुहुत्तमपि पूजये।
सा येव पूजना सेय्यो, यं चे वस्ससतं हुतं।।

4. (A) Write the teaching of "Patachara Theri". 10

"पटाचारा थेरी'' ची शिकवण लिहा.

"पटाचारा थेरी'' की शिक्षा लिखिये।

OR/किंवा/अथवा

(B) Translate with reference any **ONE** of the following :— 10

खालीलपैकी कोणत्याही **एकाचे** संसदर्भ भाषांतर करा :—

निम्नलिखित में से किसी **एक** का ससंदर्भ अनुवाद कीजिये :—

(1) "न चाहं ब्राह्मणं ब्रूमि योनिजं मत्ति संम्भव।
भोवदि नाम सो होति, सचे होति, सचे होति सकिञ्चनो। अकिञ्चनं अनादानं, तमहं ब्रूमि ब्राह्मणं
सब्बसंयोजनं छेत्वा, यो वे न परितस्सति।
सङ्गानिगं विसंयुत्तं, तमहं ब्रूमि ब्राम्हणं।।
छेत्वा नद्धि वरत्तग्च च, सन्दानं सहनुक्कम।
उक्खित्त पालिघं बुद्ध, तमहं ब्रूमि ब्राह्मणं।।
अक्कोसं वधबन्धं च अदुट्ठो यो तितिक्खाते।
खन्तीबलं बलानीकं, तमहं ब्रूहि ब्राह्मण।।
अक्कोधन वतवन्तं सीलवन्तं अतुस्सदं।
दन्तं अन्तिमसरीर तमहं बुमि ब्राह्मणं।।
वारिपोक्खरवत्तेव, आरग्गेरिव सासपो।
यो न लिम्पति कामेसु, तमहं ब्रूमि ब्राह्मणं।।
यो दुक्खस्स पजानाति, इधेव खयमत्तनो।
पन्नभारं विसंयुत्तं तमहं ब्रूमि ब्राह्मणं।।

OR/किंवा/अथवा

(2) समञ्ञा हेसा लोकस्मि, नामणोत्तं पकप्पितं।
दिघस्तानुसयितं दिट्ठिगतमजानतं अजानन्ता नो
पब्रून्ति, जातिया होति ब्राह्मणो।।
न जच्चा होनि ब्राह्मणो, न जच्चा होति अब्राह्मणो।
कम्मुना ब्राह्मणो होति, सिप्पिको होति कम्मुना।।
चोरो पि कम्मुना होति, योधाजीवो पि कम्मुना।
याजको कम्मुना होति, राजा पि होति कम्मुना।।
एवमेतं यथाभूतं, कम्मं पस्सन्ति पण्डिता।
पटिच्च समुप्पाददस्सा कम्मविपाककोविदा।।
कम्मुना वत्तति लोको, कम्मुना वत्तति पजा।
कम्मनिबन्धना सत्ता, रथरसाणी व यायतो।।
तपेन ब्रह्मचरियेन, संयमेन दमेन च।
एतेन ब्राह्मणो होति, एतं ब्राह्मणमुत्तमं।।
निही विज्जाहि सम्पन्नो, सन्तो खीणपुल्भवो।
एवं वासेट्ठ जाताही, ब्रह्मा सक्को विजानतं''ति।।

2. (A) Write the importance of "Therigatha" in Pali Tipitaka Literature. 10

पालि तिपिटक साहित्यामध्ये "थेरिगाथा"चे महत्व लिहा.

पालि तिपिटक साहित्य में "थेरिगाथा" का महत्व लिखिए।

OR/अथवा/किंवा

Write the teachig of "Mettasutta".

"मेत्तसुत्ता" ची शिकवण लिहा.

"मेत्तसुत्त" की शिक्षा लिखिये।

(B) Write the teaching of "Makhadeva Sutta". 10

"मखादेव-सुत्ता" ची शिकवण लिहा.

"मखादेव-सुत्त" की शिक्षा लिखिये।

OR/अथवा/किंवा

Write the teaching of "Vasetta Sutta".

"वासेट्ठ-सुत्ता" ची शिकवण लिहा.

"वासेट्ठ-सुत्ता" की शिक्षा लिखिये।

3. (A) Translate with reference to context any **TWO** Gathas of the following :— 10

खालीलपैकी कोणत्याही दोन गाथांचे ससंदर्भ भाषांतर करा :—

निम्नलिखित में से किन्हीं दो गाथाओं का ससंदर्भ अनुवाद कीजिये :—

(1) ततो चित्तं समाधेसि, अस्सं भद्रं व जानियं।
ततो दीपं गहेत्वान विहारं पाविसिं अहं।
सेय्यं ओलोकयित्वान, मञ्चकम्हि उपाविसि।।